

प्रेषक,

शत्रुघ्न सिंह,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

सचिव/उपाध्यक्ष,

कुम्भ क्षेत्र नियंत्रण एवं व्यवस्था समिति/

हरिद्वार विकास प्राधिकरण,

हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 8 फरवरी, 2008

विषय : कुम्भ मेला, 2010 हेतु पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय आगामी कुम्भ मेला, 2010 हेतु अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अन्तर्गत रु. 1,000/- संगत मद से तथा संलग्न बी.एम.-15 में अंकित विवरणानुसार रु. 4980.96 लाख (रु. उन्चास करोड़ अस्सी लाख छियानबे हजार मात्र) की धनराशि को पुनर्विनियोग के माध्यम से अर्थात् कुल रु. 4980.97 लाख (रु. उन्चास करोड़ अस्सी लाख सत्तानबे हजार मात्र) की धनराशि को स्वीकृत कर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके नियंत्रण पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. उक्त नियंत्रण पर रखी गई धनराशि को वित्तीय वर्ष 2007-08 की शेष अवधि में शासन स्तर से विभिन्न कार्यों हेतु धनराशि के व्यय की पृथक-पृथक स्वीकृतियां निर्गत होने पर ही किया जाएगा।
2. उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाएगा, जिसके लिए स्वीकृति प्रदान की जा रही है।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार आवश्यक मदों पर ही किया जाएगा।
4. स्वीकृत कार्य कराते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर परचेज रूल्स एवं मितव्ययिता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
5. उक्तानुसार आवंटित धनराशि किसी अन्य मद में व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाएगा।
6. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययिता को दृष्टिगत रखते हुए नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा।
7. अप्रयुक्त धनराशि का बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार दिनांक 31.3.2008 तक समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

8. सचिव/उपाध्यक्ष, कुम्भ क्षेत्र नियंत्रण एवं व्यवस्था समिति/हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार के पद पर किसी अधिकारी की तैनाती न होने अथवा उसके दीर्घकालिक अवकाश पर होने की परिस्थिति में उक्त धनराशि का आहरण जिलाधिकारी, हरिद्वार के आहरण वितरण कोड से किया जाएगा।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के 'आयोजनागत' पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-800-अन्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-07-हरिद्वार कुम्भ मेला, 2010 हेतु अवस्थापना सुविधा" के अन्तर्गत मानक मद "20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता" के नामे आला जाएगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 585/XXVII(2)/2008 दिनांक 21 जनवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : प्रपत्र बी.एम.-15।

भवदीय,

(शत्रुघ्न सिंह)
सचिव।

संख्या 27.7.1 (1)/IV(1)/2008 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री/मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
9. गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(अमिकार सिंह)
अनुसचिव।